विद्यार्थी विकसित भारत की संकल्पना के सहभागी बनें : राज्यपाल कलराज मिश्र

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के लिए हितकर योजनाओं का निर्माण ही नहीं करें बल्कि वे आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार केन्द्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री प्राप्त कर विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहभागी बनने का भी आह्वान किया है।

राज्यपाल मंगलवार को कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सातवें दीक्षांत समारोह में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में 310 अभ्यर्थियों को उपाधियां जबकि 10 अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में 6 छात्राएं एवं 4 छात्र शामिल थे। राज्यपाल ने छात्राओं के कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर बधाई देते हुए कहा कि कृषि शिक्षा में छात्राओं ने तेजी से आगे बढ़कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

यह देश एवं समाज के लिए शुभ लक्षण है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों का आव्हान किया कि वे पारम्परिक खेती के साथ ही दूसरे देशों में कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयोगों को ध्यान में रखते हुए किसानों की उपज बढ़ाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक के प्रयोग पर जोर दिया। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन से जुड़े क्षेत्रों में सतत् अनुसंधान के विकास कार्य कर रोजगारोन्मुखी दक्षता बढ़ाने के लिए भी निरंतर कार्य करें। इसी से युवाओं का कृषि की ओर रूझान बढ़ेगा।

कोटा में राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की।

उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता के अंतर्गत नवाचार अपनाते हुए निंरतर कार्य किए जाने की भी नितांत आवश्यकता है। कृषि उत्पादों के विपणन, कृषि भंडारण आदि क्षेत्रों में नवाचार अपनाते हुए रोजगार के नवीन अवसर सृजित किए जाएं। कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान में भी आधुनिक दृष्टिकोण के साथ हमारे अपने परिवेश को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाऐं। राज्यपाल ने कहा कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन तकनीक का बढ़ता हुआ महत्व न केवल खेती के पारम्परिक तरीकों को बदल रहा है, बल्कि इसे अधिक कुशल और प्रभावी भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि कोटा संभाग में एग्री-टूरिज्म के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। एग्री-टूरिज्म कृषि के क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आयाम है।

इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है बल्कि पर्यावरण को भी संरक्षित किया जा सकता है। यह किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत है और पर्यटकों को प्रकृति और कृषि के प्रति जागरूक भी करता है। एग्री-टूरिज्म को बढ़ावा कैसे मिले और कैसे युवाओं को प्रेरित किया जाए-इस पर भी विश्वविद्यालय कार्य करें। राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में "कुलपति विद्यार्थी संवाद" नवाचार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवाद विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें युग की चुनौतियों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 के दौरान चना, मसूर व उड़द फसलों की 5 नई उन्नत किस्में अनुमोदित करने एवं 29 नई उन्नत तकनीकियां विकसित करने तथा 14 हजार 807 क्विंटल उच्च गुणवत्ता का बीज कृषकों को उपलब्ध करवाने के लिए उन्होंने पूरे विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी।

■ **कृषि विश्वविद्यालय कोटा का सातवां दीक्षांत समारोह आयोजित**

दीक्षांत अतिथि एवं रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय झांसी के चांसलर प्रो. पंजाब सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि के क्षेत्र में शोध एवं अध्ययन करने वाले युवाओं का भविष्य उज्जवल है, क्योंकि इस क्षेत्र में ग्रोथ की संभावनाएं काफी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अभय कुमार व्यास ने विश्वविद्यालय को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित चना एवं उड़द की चार नई किस्मों का लोकार्पण किया।

साथ ही, विश्वविद्यालय में नवनिर्मित 5 इकाईयों-कॉमन इंक्युबेशन सेंटर, बीज संवर्धन एवं प्रसंस्करण इकाई (खानपुर), वातानुकूलित निराद्रीकृत बीज गोदाम, बीज संवर्धन एवं प्रसंस्करण इकाई (अकलेरा), बीज गोदामों आदि का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकी एवं विश्वविद्यालय द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। समारोह की शुरूआत में राज्यपाल ने संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। मिश्र ने सभी उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। इससे पहले कुलपति डॉ.अभय कुमार व्यास ने राज्यपाल का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में कुल सचिव सुनिता डागा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी श्वेता चुघ, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) वानिकी संजय सैनी, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) कृषि युक्तेश औदिच्य, विज्ञान-निष्णात् (उद्यानिकी) फल विज्ञान विश्वदीप बाल्यान, विज्ञान-निष्णात् (कृषि) उद्यान विज्ञान सम्पत्ति यादव, विज्ञान-निष्णात् (कृषि) अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन अश्विनी मेहता, विज्ञान-निष्णात् (कृषि) मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन बरखा कुमारी वर्मा, विज्ञान-निष्णात् (कृषि) पादप रोग विज्ञान मनराज धाकड को प्रदान किया गया।

कुलपति स्वर्ण पदक विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी सुश्री श्वेता चुघ को जबकि कुलाधिपति स्वर्ण पदक विज्ञान-निष्णात् (कृषि) अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन अश्विनी मेहता को प्रदान किया गया। दीक्षान्त समारोह में विधायक लाड़पुरा कल्पना देवी, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो. एसके सिंह, कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह सहित कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण एवं जनसुनवाई

कोटा, (निसं)। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग कोटा संभाग की अतिरिक्त निदेशक अतिका आजाद ने बताया कि डॉ.महेन्द्र खड़गावत, निदेशक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग जयपुर के द्वारा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के राज्य कर्मियों की शिकायतों एवं परिवेदनाओं के तत्काल निवारण किये जाने के उद्देश्य से 27.06.2024 को दोपहर 03:00 बजे से 05:30 बजे तक "बीमा भवन कलेक्ट्रेट परिसर नयापुरा, कोटा" में कोटा संभाग के अधीनस्थ जिलों कोटा, बूंदी, बारां व झालावाड़ के राज्य सरकार के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों की जनसुनवाई आयोजित की जायेगी।

मुख्यालय के समस्त वरिष्ठ योजना प्रभारी एवं संभाग के सभी जिलाधिकारी उपस्थित रहेंगे। निदेषक द्वारा राजस्थान के कोटा में एक पहल है जिसमें अजमेर, बीकानेर संभाग स्तर पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कर कर्मचारियों की समस्याओं का तत्काल निवारण किया है उसी क्रम में कोटा संभाग के राज्यकर्मियों को राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से सम्बंधित परिवेदनाओ का तत्काल जनसुनवाई में निवारण किया जाएगा।

राजस्थान राज्य कर्मचारी सयुंक्त महासंघ लोकतांत्रिक के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामरतन सामरिया ने बताया कि राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के निदेशक डॉ.महेन्द्र खडगावत की और से बीमा भवन कलेक्ट्रेट परिसर कोटा मे जनसुनवाई होगी।

■ **जनसुनवाई में बीमा विभाग के द्वारा संचालित सभी योजनाओं पर चर्चा होगी**

जनसुनवाई में बीमा विभाग के निदेशक सहित जयपुर के सभी वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक, अतिरिक्त निदेशक व अतिका आजाद अतिरिक्त निदेशक कोटा सम्भाग सहित कोटा संम्भाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। जनसुनवाई में बीमा विभाग के द्वारा संचालित सभी योजनाओं पर चर्चा होगी, बीमा जीपीएफ से सम्बंधित सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। लोकतांत्रिक महासंघ के नेतृत्व में बीमा विभाग के निदेशक डॉ महेन्द्र खडगावत सहित सभी अधिकारियों का भव्य स्वागत किया जाएगा वहीं, कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में अवगत कराया जाएगा।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम अपर्णा उपाध्याय से बदलकर नया नाम अपर्णा शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-अपर्णा शर्मा पत्नी अमित उपाध्याय मकान नम्बर B-45 तलवण्डी कोटा

खोया-पाया

मेरा आवास संख्या 4-फ-31 विज्ञान नगर कोटा के मूल दस्तावेजों में से आवंटन पत्र कही गिर गया है। जिस किसी को मिले निम्न पते पर सूचित करें।

पता-राजेश शृंगी, 4-फ-31 विज्ञान नगर कोटा, मो. 9829213591

रोटरी क्लब कोटा राउंड टाउन को सम्मान मिला

कोटा, (निसं)। वर्षपर्यंत किए गए उत्कृष्ट सेवा, सहायता व अन्य क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए रोटरी क्लब कोटा राउंड टाउन को सर्वोच्च क्लब का सम्मान मिला मिला है। भीलवाड़ा में आयोजित सम्मान समारोह में प्रांत के 90 क्लब्स में से विभिन्न श्रेणी के सर्वाधिक 37 अवार्ड भी क्लब ने प्राप्त किए। एक साथ इतने अवार्ड जीतने के बाद टीम की खुशी मंच पर साफ झलकती नजर आई। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 अवार्ड (सत्र 2023-24) सेरेमनी का आयोजन भीलवाड़ा में स्थित होटल में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.अशोक गुप्ता, डॉ. निर्मल कुनावत, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने क्लब्स को उनके द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब कोटा राउंड टाउन को बेस्ट क्लब और डॉ.रोशनी मिश्रा को बेस्ट प्रेसिडेंट का सर्वोच्च (गोल्ड) अवार्ड मिला। इसी क्रम में रो.राम गोपाल अग्रवाल को रोटरी नवरत्न, बेस्ट चौयरमेन, डिस्ट्रिक्ट सर्विस अवार्ड, एक्टिव रोटेरियन अवार्ड, आदि प्राप्त हुए। रो. विमल चंद जैन को बेस्ट सेक्रेटरी का अवार्ड मिला। डॉ.अरुणा अग्रवाल को बेस्ट चैयरमेन, क्लब एवेन्यू सर्विस अवार्ड मिला।

'ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर बलराम जाखड़ की बराबरी कर सकते हैं'

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष के पद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं बन पाई है। एनडीए और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। एनडीए ने बीजेपी सांसद ओम बिरला को अपना उम्मीदवार बनाया है। विपक्ष ने दिग्गज कांग्रेस नेता के. सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

ओम बिरला कोटा-बूंदी लोकसभा सीट से तीसरी बार सांसद चुने गए हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मोदी 2.0 सरकार में साल 2019 में भी लोकसभा स्पीकर बने थे। इस बार भी एनडीए ने उन्हें लोकसभा स्पीकर का कैंडिडेट घोषित किया है जिसके बाद उन्होंने नामांकन भी दाखिल कर दिया है। एनडीए के पास बहुमत है। ऐसे में ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बन सकते हैं। स्पीकर दोबारा बनने की स्थिति में ओम बिरला राजस्थान से ही आने वाले बलराम जाखड़ की बराबरी करेंगे,जो दो बार लगातार लोकसभा अध्यक्ष बने थे। लोकसभा स्पीकर के रूप में लगातार दो टर्म राजस्थान के ही बलराम जाखड़ रहे हैं। वे साढ़े 9 साल से ज्यादा लोकसभा स्पीकर रहे हैं। इसमें पहला कार्यकाल 22 जनवरी 1980 से लेकर 15 जनवरी 1985 तक था। इसके बाद वो दोबारा लोकसभा स्पीकर चुने गए और 16 जनवरी 1985 से 18 दिसंबर 1989 तक स्पीकर रहे हैं। इसके बाद वो मध्यप्रदेश और अन्य जगहों के राज्यपाल भी रहे हैं। इसके पहले नीलम संजीवा रेड्डी भी दो बार लोकसभा के स्पीकर रहे हैं लेकिन उनके कार्यकाल में बीच में कुछ सालों का अंतर भी रहा है। उनका कार्यकाल भी महज ढाई साल के आसपास रहा है।

बिरला 5 साल लोकसभा स्पीकर रह चुके हैं अब दोबारा उन्हें एनडीए ने कैंडिडेट बनाया है और स्पीकर बनने के पूरी संभावना हैं। बिरला जून 2019 में 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष बने थे।

■ **कोटा शहर में खुशी की लहर, बजने लगे ढोल-नगाड़े मुंह मीठा किया जाने लगा**

लगभग सभी दलों की सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया था।कई राजनीतिक दलों ने बिरला को सदन का नेता चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव का समर्थन किया था। स्पीकर बनने के बाद लोकसभा के संचालन में बिरला की सब तरफ से तारीफ हुई है। उनके स्पीकर रहते कई महत्वपूर्ण बिल पास हुए हैं। साथ ही लोकसभा में उत्पादकता भी बढ़ी है। पहली बार के सांसद, महिला व युवा सांसदों को भी सवाल पूछने और बात रखने का पूरा मौका दिया गया। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिरला की सराहना की थी। ओम बिरला की राजनीतिक पृष्ठभूमि की बात करें तो कोटा बूंदी सांसद ओम बिरला 1978-79 में मल्टीपरपज स्कूल में छात्रसंघ अध्यक्ष रहे। इसके बाद कॉमर्स कॉलेज में उन्होंने छात्रसंघ का चुनाव लड़ा था। लेकिन हार गए थे। इसके बाद 1987 से 1991 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा कोटा के अध्यक्ष रहे।

इसके अलावा 1987 से 1995 तक वह कोटा को-ऑपरेटिव कंज्यूमर होलसेल भंडार लिमिटेड के अध्यक्ष रहे। साल 1993 से 1997 तक भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष और 1997 से 2003 तक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे हैं। पारिवारिक पृष्ठभूमि की बात की जाए तो बिरला का नाता मध्यमवर्गीय परिवार से था। उनके पिता श्रीकृष्ण बिरला स्टेट टैक्स विभाग में सरकारी कार्मिक और मां शकुंतला देवी गृहणी थीं। बिरला 6 भाई और तीन बहने हैं। उनके दो बड़े भाई राजेश कृष्ण बिरला और हरिकृष्ण बिरला सहकारी बोर्ड में अध्यक्ष भी हैं। बिरला की पत्नी अमिता बिरला पेशे से सरकारी चिकित्सक रही हैं। उनकी दो बेटियां हैं जिनमें से बड़ी बेटी आकांशा विवाहित हैं और चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। छोटी बेटी अंजली प्रशासनिक सेवा में है।

कोटा में खुशी की लहर:- एनडीए गठबंधन द्वारा ओम बिरला के लोकसभा उम्मीदवार घोषित होने पर जीएमए सभागार के बाहर मेन रोड पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी एवं जिलाध्यक्ष राकेश जैन के सानिध्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की एवं कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कर हर्ष व्यक्त किया।प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी एवं जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा की बड़े ही हर्ष का विषय हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन ने लोकसभा अध्यक्ष के लिये दुबारा ओम बिरला को उम्मीदवार घोषित किया। इस खुशखबरी से भाजपा कार्यकर्ताओं में अपार खुशी का माहौल है। हम इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद प्रेषित करते है।ओम बिरला सभी के सुख-दुख के साथी रहें है। हर व्यक्ति की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझा। आमजन का अपार आर्शिवाद ही हैं कि ओम बिरला तीसरी बार सांसद का चुनाव जीते तथा दुसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने जा रहे है।

रावतभाटा राजस्थान साईट, एन.पी.सी.आई.एल.

ईओआई आमंत्रण संख्या, आरआरसाईट/सीएमआर/2023-24/02

एन.पी.सी.आई.एल., आरआर साईट दो साल की अवधि के लिए सीएसआर के अंतर्गत महिलाओं के लिये विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्ट और स्वायत्त संगठन आदि से ई.ओ.आई. आमंत्रित करती है। परियोजना की अनुमानित लागत रूपये (एक करोड बीस लाख नवासी हजार दो सौ पैंतीस) 1,20,89,235/- है। उपरोक्त क्षेत्र में अनुभव रखने वाले इच्छुक पक्ष www.npcil.nic.in से दस्तावेज डाउनलोड कर सकते है। या अधोहस्ताक्षरी से सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सते है। प्रस्ताव 17.07.2024 को 11 बजे तक प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

संबंधित व्यक्ति- संजय कांडपाल, प्रोजेक्ट प्रभारी, आरआर साइट।

ईमेल skandpal@npcil.co.in मोबाइल 9413358039

CBC 48132/12/0009/2425

न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम) (A Government of India Enterprise)
रावतभाटा राजस्थान साइट Rawatbhata Rajasthan Site
डाक: अणुशक्ति, वाया: कोटा (राज.) PO: Anushakti-323303 Via: Kota (Raj.)

रावतभाटा राजस्थान साइट, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की एक इकाई है जिसमें 06 बिजलीघर प्रचालनरत हैं तथा 2 बिजलीघर निर्माणाधीन हैं तथा यह एनपीसीआईएल, भारी पानी संयंत्र (कोटा), परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, के.औ.सु.ब., नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों (लगभग 16000 लाभार्थी) को चिकित्सालय में ओपीडी तथा इंडोर में श्रेष्ठतम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है।

आर आर साइट चिकित्सालय, रावतभटा में विजिटिंग परामर्शदाता के रूप में चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध करवाने हेतु सूचीबद्ध किए जाने के लिए इच्छुक परामर्शदाताओं से अभिरूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आवेदन आमंत्रित करता है। न्यूनतम अर्हता तथा अनुभव का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	विजिटिंग परामर्शदाता की विशेषज्ञता	अर्हता	न्यूनतम अनुभव
1.	चर्म रोग, ईएनटी, हड्डी रोग	स्नातकोत्तर /डीएनबी/डिप्लोमा	05 वर्ष
2.	न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी	डी एम	01 वर्ष
3.	आयुर्वेद	बीएएमएस/ स्नातकोत्तर	10/5 वर्ष
4.	होम्योपैथी	बीएचएमएस/स्नातकोत्तर	10/5 वर्ष

इच्छुक पार्टियां जो एनपीसीआईएल आर आर साइट चिकित्सालय में 3 वर्ष की अवधि तक उनकी सेवाएँ प्रदान करने के लिए सहमत हैं, वे मानव संसाधन अनुभाग, आर आर साइट चिकित्सालय, रावतभाटा मे किसी कार्य दिवस को 1100 बजे से 1600 बजे के दौरान व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं अथवा यह आवेदन पत्र वेब साइट https://npcil.nic.in/content/269_1_ExpressionofInterest.aspx से भी डाउनलोड किया जा सकता है। विधिवत भरे हुए आवेदन बंद लिफाफे में इस आवेदन के प्रकाशित होने के 30 दिनों की अवधि के भीतर उप प्रबन्धक (मा. सं.), रापविघ चिकित्सालय, पोस्ट: भाभा नगर, वाया: कोटा, राजस्थान, पिन- 323307 के पास किसी भी कार्य दिवस पर 1700 बजे तक जमा करवाए दिए जाने चाहिए **[25/07/2024]**। एनपीसीआईएल आर आर साइट के पास एक अथवा सभी ईओआई को बिना कोई कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

CBC 48132/12/0004/2425

चिकित्सा अधीक्षक

127 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र सौंपे

कोटा, (निसं)। रोटरी महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र का वार्षिकोत्सव मंगलवार को रोटरी बिनानी सभागार में संपन्न हुआ। प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में वर्षपर्यंत सिलाई, कंप्यूटर एवं ब्यूटी कल्चर में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 127 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए। प्रीतम गोस्वामी, घनश्याम मूंदड़ा, नीतू मेहता ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

बालिकाओं एवं महिलाओं ने देश रंगीला.., घूमर.. टूटे बाजूबंद री लूम और ढोल बाजे.. सरीखे गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। क्लब अध्यक्ष प्रीतम गोस्वामी ने सम्बोधित करते हुए आगे बढ़ने और अपने लक्ष्यों को बनाने एवं उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम निदेशिका नीतू मेहता ने बताया कि केंद्र का संचालन रोटरी क्लब कोटा एवं रोटरी कम्युनिटी सर्विस द्वारा किया जाता है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सन 2010 से संचालित इस केंद्र में नाममात्र शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। केंद्र की सिलाई प्रशिक्षिका सुनीता खेर, ब्यूटी कल्चर प्रशिक्षिका नीतू साहा एवं कंप्यूटर प्रशिक्षिका कीर्ति असनानी ने बताया कि अभी केंद्र में नई बालिकाओं और महिलाओं की प्रवेश प्रक्रिया चालू है।

■ **रोटरी महिला स्वरोजगार केंद्र का वार्षिकोत्सव संपन्न**

इसके सम्बन्ध में अगर कोई जानकारी चाहता है तो वह रोटरी बिनानी सभागार, शॉपिंग सेंटर, छावनी में संपर्क कर सकता है। क्लब अध्यक्ष प्रीतम गोस्वामी द्वारा निदेशिका नीतू मेहता एवं तीनों प्रशिक्षकाओ को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

आगामी क्लब सचिव घनश्याम मूंदड़ा ने बताया कि क्लब से सिलाई एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण ले चुकी कई महिलाएं घर पर ही काम करके आठ से दस हजार प्रतिमाह कमा रही हैं। कंप्यूटर प्रशिक्षण ले चुकी लड़कियां भी कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर विभिन्न संस्थानों में कार्यरत हैं। प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि इस अवसर पर देवेंद्र कुमार दक एवं सविता दक भी उपस्थित रहे।

एनीमिया नियंत्रण के लिए जागरूक कर दवाई दी

कोटा, (निसं)। एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत मंगलवार को आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्रों पर शक्ति दिवस आयोजित हुआ।

लक्षित बच्चे, किशोर-किशोरी, धात्री माताएं, गर्भवती व प्रजनन उम्र की लाभार्थी महिलाओं की एनीमिया स्क्रीनिंग की। हीमोग्लोबिन की जांच कर आईएफए (आयरन फोलिक एसिड) दवाई का नि:शुल्क वितरण किया। एनीमिया रोग के लक्षण, बचाव की जानकारी दी। पौटिष्क, आयरनयुक्त फल-सब्जी, संतुलित आहार लेने की हिदायत दी। छोटे बच्चों को मौके पर ही आएएफए की सिरप पिलाई गई। सीएमएचओ डॉ जगदीश कुमार सोनी ने बताया कि आईएफए दवाई की खुराक लेने से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी पूर्ती होती है। जिससे एनीमिया के संभावित खतरों होता है। साप्ताहिक रूप से हर मंगलवार को शक्ति दिवस मना रहे हैं।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/क्र.भू.रू./2024/1458 विज्ञप्ति दिनांक:-24.6.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाड़ी में स्थित कृषि भूमि योजना सुमन विहार भूखंड संख्या बी-28 (दक्षिण) खसरा नं. 235 आवेदक/आवेदिका श्रीमती लाडबाई पत्नी स्व. श्री ग्यारसी लाल सुमन निवासी सुमन भारती स्कूल के पास गुलाबबाड़ी कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 7913 दिनांक 04.06.2010 को श्री ग्यारसी लाल सुमन पुत्र श्री रामकिशन के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 01.07.2015 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान पत्नी लाड बाई, पुत्र चेमन सुमन, जितेन्द्र सुमन है। वारिसान चेमन सुमन, जितेन्द्र सुमन द्वारा जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 02.12.2020 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती लाडबाई पत्नी स्व. श्री ग्यारसी लाल सुमन निवासी सुमन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर चिकित्सा विभाग सतर्क

कोटा, (निसं)। मच्छर जनित बीमारियां खासकर डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया की रोकथाम एवं नियन्त्रण में सहयोग के लिए मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में शहर के हॉस्टल एसोसिएशन, कॉचिंग संस्थान एवं स्वयंसेवी संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे सीएमएचओ डॉ.जगदीश सोनी ने कहा कि बचाव उपचार से बेहतर है। इसलिए बचाव के उपायों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होने सोर्स रिडक्शन व लार्वारोधी कार्रवाई पर जोर के साथ ही बचाव उपायों के बारे में आमजन व कॉचिंग विद्यार्थियों को भी जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग जनवरी-फरवरी से ही सक्रीय है। विभाग द्वारा विभिन्न अभियान चलाकर नियमित सर्वे, एंटी लार्वा व जागरूकता गतिविधियों की गई। जिसकी बदौलत डेंगू पर काफी हद तक नियंत्रण पाने में सफलता मिली। उन्होने कहा कि मानसून सीजन शुरू होने को है।

कोटा स्वास्थ्य भवन में बैठक को सी.एम.एच.ओ. व डिप्टी सी.एम.एच.ओ. ने संबोधित किया।

इस मौसम में मच्छरों की ब्रीडिंग बढ़ने की अधिक संभावना है। ऐसे में अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने हॉस्टल व कॉचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियां से कहा कि संस्थानों में कूलर, टंकियों, गमलों, मनी प्लांट की बोतल आदि को खाली कर रगडकर नियमित साप्ताहिक रूप से साफ-सफाई करें। ताकि मच्छर के अण्डे टंकी, कूलर की दीवारों पर चिपके नही रहें और नष्ट हो सके। उंचाई पर लगे कूलरों की भी विशेष देखरेख व साफ-सफाई की जाऐं। उन्होने कहा कि जिला कलक्टर डॉ.रविन्द्र गोस्वामी के निर्देशानुसार "कामयाब कोटा बनाना है, डेंगू को हराना है" अभियान कोटा में चलाया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेशभर में जून माह को एंटी मलेरिया माह मनाने का अभियान भी संयुक्त रूप से संचालित है। बैठक में मौसमी बीमारियों की रोकथाम में सहयोग के लिए हॉस्टल व कॉचिंग संचालकों व स्काउट गाईड के उत्तरदायित्वों पर चर्चा की गई। शहर के सभी हॉस्टल एवं कोचिंग संचालकों को अपने संस्थानों पर मच्छर व कीट रोधी पेस्ट कन्ट्रोल करवाने के निर्देश दिए गए।

■ **हॉस्टल, कोचिंग, स्वयंसेवी संस्थाओं की बैठक ली**

साथ ही संस्थानों के कूलर, पानी की टंकियों की साफ-सफाई करने, कॉचिंग संस्थान एवं हॉस्टलों के आस-पास गढ्ढो एवं प्लॉट में भरे बरसाती पानी में जला हुआ तेल (एमएलओ) डलवाने, संस्थानों में सप्ताह मे एक दिन सूखा दिवस मनाने, हॉस्टलो में छात्र-छात्राओं को जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए ताजा भोजन व स्वच्छ पानी की व्यवस्था करने आदि निर्देश दिए गए।

इसके अलावा सभी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में मच्छर जनित रोगों की रोकथाम व बचाव की जानकारी दिए जाने के निर्देश दिए। इसी तरह स्वयं सेवी संस्थाओं से कहा कि खाली प्लॉट एवं गड्ढों में पानी न भरने दें, यदि पानी भरा हो तो खाली करवाने के लिए लोगों को प्रेरित करें। गलियों में जानवरों के लिये रखी गई पानी की टंकियो को हर सात दिन में साफ करवाएं। लोगों को मच्छर के लार्वा के बारे में जागरूक करें, विशेष रूप से लार्वारोधी अभियान चलाये तथा ऐसे पानी के स्त्रोत जिनमें मच्छर के लार्वा पैदा होते है की जानकारी दें।

बैठक में डिप्टी सीएमएचओ हैल्थ डॉ घनश्याम मीना ने चिकित्सा संस्थानों में आईईसी कॉर्नर एवं विभाग द्वारा किए जा रहे रोकथाम प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान स्काउट प्रतिनिधी यज्ञदत्त हाड़ा ने सभी के सम्मिलित प्रयासों से डेंगू को हराने की बात कही। बैठक में कीट विज्ञानी डीपी चौधरी और एपीडेमियोल